Name: _____ Date: _____

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व क्यों नहीं दिया है?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-2 आज महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था क्यों हिलने लगी है?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-3 कविवर रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से क्या प्रार्थना की है?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-4 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का क्या आशय है?

उत्तर _____

_____

_____

https://educationwithfun.com

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व क्यों नहीं दिया है?

उत्तर भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है क्योंकि उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है।

प्रश्न-2 आज महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था क्यों हिलने लगी है?

उत्तर ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलानेवाले निरीह और भोले - भाले श्रमजीवी को पिसते और झूठ तथा फ़रेब का रोज़गार करनेवालों को फलता - फूलता देखकर महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था हिलने लगी है।

प्रश्न-3 कविवर रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से क्या प्रार्थना की है?

उत्तर कविवर रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से प्रार्थना की थी कि संसार में केवल नुक्सान ही उठाना पड़े, धोखा ही खाना पड़े तो ऐसे अवसरों पर भी हे प्रभो! मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं तुम्हारे ऊपर संदेह न करूँ।

प्रश्न-4 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का क्या आशय है?

उत्तर 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का आशय भारत वर्ष में रहने वाले विभिन्न जाति एवं धर्म के मनुष्यों से है जो अलग - अलग स्थानों से आए हैं तथा अपने साथ तरह - तरह के जीवन मूल्य एवं आदर्श लाए हैं।

https://educationwithfun.com